OVIDYA BHAWAN, BALIKA VIDYAPITH

Shakti Utthan Ashram, Lakhisarai-811311(Bihar)

(Affiliated to CBSE up to +2 Level)

CLASS: XII **SUB.: MUSIC (VOCAL)** **DATE: 06-10-2020**

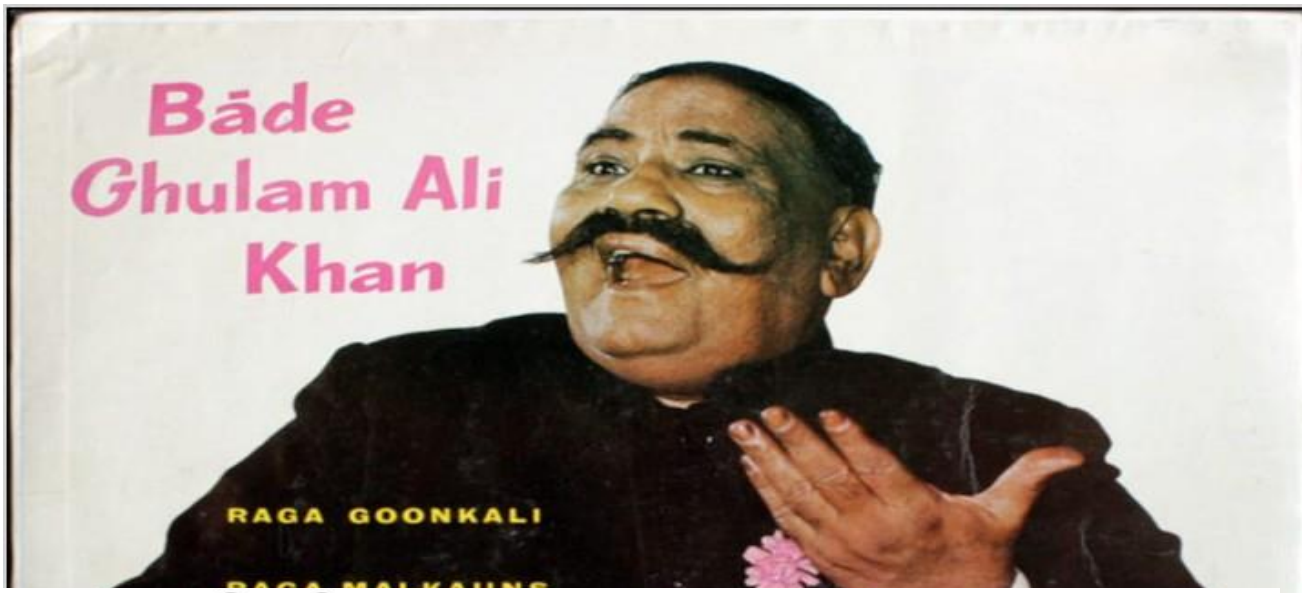

शुरुआती जीवन

उस्ताद बड़े गुलाम अली खां का जन्म पाकिस्तानी पंजाब के मशहूर शहर लाहौर के पास स्थित गांव केसुर में 2 अप्रैल, 1902 को हुआ था। उनको संगीत विरासत में मिला था। उनके पिता अली बख्श खां प्रसिद्ध सारंगी वादक और गायक थे। उन्होंने संगीत का औपचारिक प्रशिक्षण अपने चाचा काले खां से लिया जो प्रसिद्ध गायक और संगीतज्ञ थे। वह रोजाना करीब 20 घंटे तक अभ्यास करते थे और लाहौर, मुंबई, कोलकाता एवं हैदराबाद आना-जाना लगा रहता था। 1947 में जब भारत का बंटवारा हुआ तो उस्ताद बड़े गुलाम अली खां लाहौर चले गए। उसके बाद वह भारत वापस आ गए और यहीं बस गए। 1957 में उनको भारत की नागरिकता मिल गई।

संगीत को योगदान

उन्होंने ठुमरी में पंजाबी का टच दिया और मौजूदा समय में यह शैली 'ठुमरी का पंजाबंग' के नाम से लोकप्रिय है। जब उन्होंने 'खयाल' की नई शैली का ईजाद किया तो इसके परंपरागत फ्लेवर को जिंदा रखा। उनका गाने का तरीका बहुत साधारण और लयदार होता था।

10:50 AM